

सुधाभवन पुं. (तत्.) अस्तरकारी किया हुआ मकान।
सुधाभित्ति स्त्री. (तत्.) दीवार, जिस पर चूना पुता हुआ हो।
सुधाभुज पुं. (तत्.) सुधा-भोजी (देवता)।
सुधा भृति पुं. (तत्.) चंद्रमा, यज्ञ।
सुधा भोजी वि. (तत्.) अमृत भोजन करने वाले पुं. देवता।
सुधाम पुं. (तत्.) अच्छा, पवित्र घर अथवा स्थान।
सुधामय पुं. (तत्.) महल, राजभवन वि. अमृतयुक्त, अमृत से भरा हुआ।
सुधा मयूख पुं. (तत्.) चंद्रमा, अमृत किरणों वाला।
सुधार पुं. (तद्.) 1. वह प्रक्रिया जो किसी के दोष, विकार आदि दूर करने के लिए की जाती है 2. वह काट-छाँट या संशोधन परिवर्तन जो किसी रचना को अच्छा रूप देने के लिए किया जाता है 3. वह तत्व जो किसी के सुधरने या सुधरे हुए होने पर लक्षित होता है।
सुधारक पुं. (तद्.) 1. संशोधक, दोषों या त्रुटियों का सुधार करने वाला 2. धार्मिक या सामाजिक सुधार के लिए कार्य करने वाला वि. (कार्य) जो सुधार के उद्देश्य या विचार से किया गया हो।
सुधारग्रह पुं. (तत्.) ऐसी संस्था जिसमें बाल अपराधी या वयस्क अपराधी सुधार के लिए रखे जाते हैं, सुधारालय।
सुधारना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी बिगड़ी हुई या खराब वस्तु को इस प्रकार ठीक करना जिससे वह काम में आने के योग्य हो जाए 2. दोषों, विकारों आदि को दूर करके किसी स्थिति अथवा व्यक्ति में सुधार करना 3. लेख, पुस्तक आदि की गलतियाँ दूर करना।
सुधा-रश्मि पुं. (तत्.) चंद्रमा।
सुधारा वि. (देश.) सीधा।
सुधारालय पुं. (तद्.+तत्.) वह स्थान जहाँ पर अपराधियों के जीवन सुधार की व्यवस्था की जाती है।

सुधारी वि. (देश.) सरल, सीधा, भोला-भाला।
सुधारू वि. (तत्.) सुधार करने वाला, सुधारक।
सुधारे क्रि.वि. (देश.) निरंतर, लगातार उदा. बरषत सुमन सुधारे -सूरसागर।
सुधा-लता स्त्री. (तत्.) गिलोय (वनस्पति) का एक प्रकार।
सुधाव पुं. (देश.) सोधने की क्रिया या भाव, सुधार।
सुधावर्षी पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा 2. बुद्ध का एक नाम वि. सुधा अर्थात् अमृत बरसाने वाला।
सुधावास पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. खीरा 3. कपूर।
सुधाश्रवा वि. (तत्.) अमृत बरसाने वाला, सुधावर्षी।
सुधासदन पुं. (तत्.) चंद्रमा।
सुधासित पुं. (तत्.) जिस पर चूना पोतकर सफेदी की गई हो।
सुधासू पुं. (तत्.) चंद्रमा।
सुधासूति पुं. (तत्.) 1. चंद्रमा 2. कमल 3. यज्ञ।
सुधास्पर्धी वि. (तत्.) 1. अमृत की बराबरी करने वाला 2. अमृत के समान मधुर।
सुधास्रवा वि. (तद्.) 1. गले के भीतर की घंटी, कौआ 2. मोटी जीभ 3. रुदंती नामक वनस्पति।
सुधाहर पुं. (तत्.) गरुड़ वि. अमृत का हरण करने वाला।
सुधि स्त्री. (तद्.) 1. होश, चेतना 2. ज्ञान 3. स्मृति, याद।
सुधित पुं. (तत्.) 1. सुधा से युक्त किया हुआ 2. सुधा/अमृत जैसा मधुर 3. सुव्यवस्थित।
सुधि-बुधि स्त्री. (देश.) 1. स्मृति, ध्यान तथा बुद्धि 2. चेतना, होश।
सुधियाना स.क्रि. (देश.) 1. स्मरण करना 2. समाचार प्राप्त करना, हाल-चाल पूछना 3. ध्यान में लाना।
सुधी वि. (तत्.) अच्छी बुद्धि वाला, बुद्धिमान पुं. 1. विद्वान 2. धार्मिक व्यक्ति।